1-12-89 से 30-6-90 के दौरान विभिन्न वस्तुओं के आयात/निर्यात संबंधी आंकड़े

398. **श्री अनन्त राम जायसवाल:** क्या **वाणिज्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) 1-12-89 से 30-6-90 तक किन-किन वस्तुओं के निर्यात और आयात में बढ़ोतरी हुई और इस संबंध में अलग-अलग कितनी विदेशी मुद्रा की प्राप्ति हुई एवं कितनी खर्च हुई;

(ख) निर्यात द्वारा अधिक विदेशी मुद्रा के अर्जन के लिए सरकार ने कोई कदम उठाये हैं; यदि हां, तो उनका ब्यौरा क्या है और इस संबंध में आठवीं योजना के लिए क्या लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं; और

(ग) क्या विदेशी मुद्रा के व्यय से बचत के उद्देश्य से भी कोई कदम उठाये गये हैं, यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है?

वाणिज्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अरंगिल श्रीधरन): (क) एक विवरण पत्र संलग्न है। **(नीचे देखिये)**

(ख) सरकार ने निर्यात संवर्धन के लिए अनेक कदम उठाए हैं। इनका प्रयोजन औद्योगिक कार्यकुशलता का उन्नयन कर के प्रतियोगी कीमतों पर कच्चे माल की सप्लाई सुनिश्चित करके, अवस्थापना व्यवस्था को सुदृढ़ कर के और क्रियाविधियों का सरलीकरण कर के निर्यात को वाणिज्यिक दृष्टि से लाभकारी बनाना है। आठवीं योजना का कार्य प्रगति पर है और आठवीं योजनावधि के लिए समग्र निर्यात के संबंध में अब तक कोई निश्चित लक्ष्य निर्धारित नहीं किया गया है।

(ग) सरकार ने विदेशी मुद्रा में व्यय की कटौती करने के प्रयोजन से अनेक उपाय आरंभ किए हैं। इनमें शामिल हैं:—भारत सरकार के संवर्धन अभिकरणों के विदेशों में स्थित कार्यालयों का सुव्यवस्थीकरण; विदेश मंत्रालय द्वारा विदेशी मुद्रा व्यय में 10% तक की कटौती करना; वाशिंगटन और लन्दन स्थित भारतीय सप्लाई मिशनों को बन्द करना; सरकारी विदेशी दौरों में काफी कटौती करना; जिन विनिर्माण एककों का निर्यात प्रयास में पर्याप्त योगदान नहीं है उनके संघटकों के आयात की समीक्षा करना ताकि उनकी जरूरतों में 10 से 15% तक की कमी लाई जा सके, आदि।

व्यापार-आंकड़े वित्तीय वर्ष-आधार पर संकलित किए जाते हैं। जिन प्रमुख वस्तुओं के निर्यात तथा आयात में अप्रैल, 1989 से मार्च, 1990 तक की अवधि के दौरान विगत वर्ष की उसी अवधि की तुलना में वृद्धि हुई है उनके नाम और उनके मूल्य के आंकड़े नीचे दिए जा रहें हैं:—

क्र०सं०	वस्तुएं	निर्यात (करोड़ रु०)	
		1988-89	1989-90
1.	चाय	598.94	904.55
2.	काफी	279.07	342.60
3.	चावल	331.47	426.52
4.	तम्बाकू	128.34	175.03
5.	काजू (सी एन एस एल सहित)	277.20	367.63
6.	शीशम नाइजर बीज	23.57	137.52
7.	एच पी एस मूंगफली	14.72	33.68
8.	तेल खाद्य	370.43	546.15
9.	अरण्डी का तेल	5.06	43.33
10.	चीनी तथा शीरा	7.04	32.45
11.	प्रसंस्कृत खाद्य	284.52	368.09
12.	मांस तथा मांस उत्पाद	94.47	113.70
13.	कपास	28.02	128.37
14.	अयस्क तथा खनिज	1027.13	1380.12
15.	चमड़ा तथा चमड़ा उत्पाद	1487.71	1950.93
16.	रत्न तथा आभूषण	4398.14	5295.53
17.	रसायन तथा सम्बद्ध उत्पाद	1531.04	2931.48
18.	इंजीनियरी माल	2317.79	3284.37
19.	वस्त्र	3888.72	
20.	हस्तशिल्प	325.57	5585.30
21.	कालीन	561.23	402.84
22.	पेट्रोलियम उत्पाद	504.96	700.09
			696.67

क्र०सं०	वस्तुएं	आयात (करोड़ रु० में)	
		1988-89	1989-90
1.	उर्वरक	926.63	1776.43
2.	चीनी	0.13	97.07
3.	लुगदी तथा रद्दी कागज	252.18	303.88
4.	गत्ता तथा उत्पाद	108.94	134.14

क्र०सं०	वस्तुएं	आयात (करोड़ रु० में)	
		1988-89	1989-90
5.	अखबारी कागज	196.70	223.67
6.	अलौह धातुएं	785.70	1253.22
7.	खनिज तेल-कच्चा तथा उत्पाद	4244.64	6273.52
8.	मोती, मूल्यवान तथा अर्द्ध मूल्यवान रत्न	2865.72	4241.53
9.	मशीनरी	5282.51	6979.82
10.	अपरिष्कृत रेशम	53.49	87.39
11.	सिंथैटिक तथा रिजनरेटेड फाइबर	37.37	69.47
12.	रंगाई, चर्मशोध तथा रंग सज्जा का सामान	94.60	146.00
13	औषधीय तथा भेषजीय उत्पाद	195.47	271.76
14.	धातु उत्पाद	193.23	271.06

स्रोत= डी जी आई एण्ड, कलकत्ता

बाढ़ नियंत्रण के उपाय

399. **श्री अनन्तराम जायसवाल:** क्या **जल संसाधन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) बाढ़ नियंत्रण संबंधी योजनाओं पर पहली पंचवर्षीय योजना से सातवीं पंचवर्षीय योजना तक कितनी धनराशि खर्च की गयी है;

(ख) क्या यह सच है कि इन योजनाओं पर भारी धनराशि खर्च करने के बावजूद भी इसका कोई स्थायी हल नहीं निकाला जा सका है;

(ग) क्या सरकार ने इस मामले में देश के वैज्ञानिकों और इंजीनियरों से परामर्श करके इसका कोई स्थायी हल निकालने का कभी प्रयास किया है; यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है; और

(घ) क्या सरकार उत्तर भारत में आने वाली बाढ़ और पठार में पानी की कमी संबंधी समस्याओं के स्थायी हल के लिए गंगा और कावेरी को जोड़ने के सुझाव पर विचार करेगी?

जल संसाधन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मनुभाई कोटाड़िया): (क) लगभग 2,710 करोड़ रुपये।

(ख) गत 40 वर्षों के दौरान कुल 40 मिलियन हेक्टेयर बाढ़ प्रवण क्षेत्र में से लगभग 13.6 मिलियन हेक्टेयर क्षेत्र को उचित सुरक्षा प्रदान की गई है।

(ग) राष्ट्रीय बाढ़ आयोग (1976-80) का गठन बाढ़ नियंत्रण उपायों की सिफारिश करने के लिए किया गया है जिसमें प्रतिष्ठित इंजीनियर और वैज्ञानिक शामिल हैं। साथ ही इन बेसिनों में बाढ़ नियंत्रण की मास्टर योजना तैयार करने के लिए गंगा बाढ़ नियंत्रण आयोग और ब्रह्मपुत्र बोर्ड स्थापित किये गये हैं।

(घ) गंगा को कावेरी के साथ जोड़ने के प्रस्ताव पर सरकार द्वारा विचार किया गया और उसे तकनीकी रूप से अव्यवहार्य और आर्थिक रूप से निषेधात्मक पाया गया।

Strike by Bank Employees

400. SHRI RAJUBHAI A. PARMAR:
SHRIMATIMANORAMA PANDEY:

Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) whether the bank employees all over the country observed one day's strike in June this year; and

(b) if so, what were their major demands and what action has been taken by Government in the matter?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI ANIL SHASTRI): (a) and (b) A section of officer employees of Public sector bank observed a day's strike on 12.6.1990 in support of their various demands such as lifting of ban on manpower growth in banks; stoppage of unilateral action of the Government/IBA in varying settled service conditions; alleged repressive acts of managements; etc. The grievances of